

एस.आई. भर्ती को लेकर स्थिति स्पष्ट करे राज्य सरकार : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक से जुड़े मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए दो दिन का समय देते हुए भर्ती को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। अदालत ने कहा है कि गत 18 नवंबर को भर्ती पर दिए यथास्थिति के आदेश की पालना होनी चाहिए और यदि ट्रेनी एसआई को फोल्ड पोस्टिंग दी गई तो वह अवमानना की श्रेणी में माना जाएगा। अदालत ने राज्य सरकार को हिदायत दी है कि वह यथास्थिति आदेश को बरकरार रखे और भर्ती को लेकर कुछ भी नहीं करें, वरना अदालत इसे गंभीरता से लेगी। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका व डीजीपी की ओर से गत 31 दिसंबर को आदेश जारी कर ट्रेनी एसआई को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए जिले आवंटित करने के आदेश के खिलाफ पेश प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद से कहा कि जब 18 नवंबर को भर्ती पर

■ अदालत ने कहा है कि गत 18 नवंबर को भर्ती पर दिए यथास्थिति के आदेश की पालना होनी चाहिए

■ 'यदि ट्रेनी एसआई को फोल्ड पोस्टिंग दी गई तो वह अवमानना की श्रेणी में माना जाएगा'

यथास्थिति दी गई तो फिर ट्रेनी एसआई को फोल्ड पोस्टिंग कैसे दी जा सकती है। इस पर महाधिवक्ता ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूर्व में ही पूरी हो चुकी है और अब ट्रेनी एसआई को आरपीए ट्रेनिंग के बाद फोल्ड ट्रेनिंग के लिए भेजा जा रहा है। यह भी मूल ट्रेनिंग का ही हिस्सा है। एजी ने कहा कि करीब 800 ट्रेनी हैं, इसमें से कुछ गलत हो सकते हैं, लेकिन इस आधार पर सभी को ट्रेनिंग से नहीं रोक सकते। इस पर अदालत ने कहा कि 22 नवंबर को उन्हें भर्ती के

संबंध में निर्णय लेने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था, लेकिन अब छह सप्ताह बाद भी राज्य सरकार का जवाब नहीं आया है। इसके जवाब में महाधिवक्ता ने कहा कि भर्ती को लेकर बड़े स्तर पर विचार विमर्श चल रहा है, और जवाब के लिए समय दिया जाए। अदालत ने राज्य सरकार को दो दिन का समय देते हुए सुनवाई 9 जनवरी को तय की है। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि महाधिवक्ता जब भर्ती को रद्द करने की राय दे चुके हैं तो मामले में पैरवी कैसे कर सकते हैं। वहीं प्रार्थियों के अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने कहा कि पुलिस विभाग ने भर्ती पर यथास्थिति आदेश के बाद भी 31 दिसंबर को आदेश जारी कर ट्रेनी एसआई को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए जिला आवंटित करने के लिए कहा है। यह आदेश अदालती अवमानना है। मूल याचिका में पूरी भर्ती को ही रद्द करने का आग्रह किया है। सरकार ने अदालत के समय देने के बाद भी भर्ती को लेकर अपनी स्थिति नहीं बताई और ट्रेनी एसआई को फोल्ड पोस्टिंग में भेज रहे हैं जो गलत है।



मौसम विभाग ने सोमवार को जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में कोहरे का अर्रिज अलर्ट जारी किया था जिसका जयपुर में भारी असर दिखाई दिया। कोहरे के कारण वाहनों की लाइट जलाने के बाद भी विजिबिलिटी बहुत कम होने से वाहन रेंग-रेंग कर चलते नजर आये। फोटो : दिनेश भारद्वाज

ज्ञान का सम्बर्धन करती है मथुरा लीला : मृदुल कृष्ण



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को विद्याधर नगर में सपत्नीक सुप्रसिद्ध कथा वाचक मृदुल कृष्ण महाराज की भागवत कथा का श्रवण किया।

जयपुर। गिराज संघ परिवार विश्वकर्मा जयपुर के 26 वें वार्षिकोत्सव पर एक विद्याधर नगर सेक्टर-7 स्थित अग्रसेन हॉस्पिटल के पीछे स्थित प्रांगण में चल रही 108 विशाल श्रमद भागत ज्ञानयज्ञ के छठवें दिन सोमवार को व्यासपीठ से आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण महाराज ने कहा कि प्रभु श्री कृष्ण की मथुरा लीला जीव के हृदयान्तरकार को नष्ट कर ज्ञान का विकास करती है यानि यह कहा जाए कि मथुरा लीला ज्ञान का संवर्धन करती है।

यहाँ तक कि साक्षात् बृहस्पति के शिष्य उद्धव जी के ज्ञान को प्रभु ने गोपियों के द्वारा भक्ति का चादर उड़ाकर परिपूर्ण किया। स्वयं परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में ही गुरु सान्दीपनि के सावित्र्य में चैसठ दिनों तक रहकर ज्ञान प्राप्त किया। अतः प्रभु की मथुरा लीला श्रवण करने मात्र से भक्त के हृदय में ज्ञान का उदय होता है। उन्होंने बताया कि यदि विद्यार्थी अपने अध्ययन काल में यदि प्रभु की मथुरा लीला को श्रवण करता है तो निश्चित रूप से विद्या के क्षेत्र में उसे अभूतपूर्व सफलता प्राप्त होती है। विशेष महोत्सव के रूप में श्री रुक्मिणी विवाह महोत्सव बहुत ही धूम-धाम से मनाया गया। इस प्रसंग पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए आचार्य श्री ने कहा कि श्री रुक्मिणी जी ने अपने जीवन में

किएहुए सत्कार का फल केवल प्रभु को ही मंगाया। जिसको कि प्रभु श्री द्वारिकाधीश ने स्वयं रुक्मिणी के कुणिनपुर जाकर रुक्मिणी को प्रधान पटरानी बनाकर पूर्ण किया। यह पवित्र प्रसंग हम सबको शिक्षा प्रदान करता है हमें जीवन में किये हुए सत्कार के फल के रूप में प्रभु की ही आचना करनी चाहिए। इस अवसर पर श्री गोविन्द देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने भी कथा का श्रवण किया और सम्मान स्वरूप आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण महाराज को चित्र भेंट किया। मुख्य यजमान मदन मोहन सोमानी व वरुण सोमानी ने बताया कि महोत्सव के तहत मंगलवार को महोत्सव के अंतिम दिन सुदामा चरित्र व नवगोष्पथ संवाद के बाद पुष्प होली महोत्सव मनाया जाएगा।

सभी अंग्रेजी मीडियम स्कूल बंद नहीं होंगे : जोगाराम पटेल

जयपुर। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि कांग्रेस राज में खुले सभी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों को बंद नहीं किया जाएगा। समीक्षा के बाद जो अंग्रेजी मीडियम स्कूल सही है। उनको बरकरार रखेंगे।

सौरियसली अंग्रेजी माध्यम का हो। उसमें अंग्रेजी विषय के टीचर हों। ऐसी शिकायतें आई थी कि हिंदी मीडियम के स्कूल पर केवल अंग्रेजी माध्यम के स्कूल का बोर्ड लगा दिया। उन स्कूलों में न अंग्रेजी शिक्षकों की व्यवस्था की, न अंग्रेजी मीडियम से पढ़ाई हुई। अंग्रेजी स्कूलों की समीक्षा की जाएगी। जो जरूरी होगा उनको रखा जाएगा।

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलवर ने कहा कि परंपरागत जल स्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का संचय करें।

दिया कुमारी ने गुरु गोबिंद सिंह की ऐतिहासिक तलवार की पूजा-अर्चना की

जयपुर। सिकखों के 10वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर आज उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में गुरु जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर के सिटी पैलेस में विराजमान गुरु जी की ऐतिहासिक तलवार की भी पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा गुरु गोबिंद सिंह जी का त्याग, बलिदान और शौर्य की गाथा हम सबको सदैव प्रेरित करती रहेगी। इसके बाद शबद कीर्तन का आयोजन किया गया। गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर यह तलवार सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में आंगूठों, पर्यटकों और आमजन के दर्शन के लिए रखी गई है। गौरतलब है कि गुरु गोबिंद सिंह ने कुछ समय नाहन (सिरमौर जिला, हिमाचल प्रदेश) में व्यतीत किया था। तब नाहन छोड़ते समय उन्होंने अपनी निजी तलवार तत्कालीन शासक को स्मृति चिह्न के रूप में भेंट की थी। राजमाता पविनी देवी, जो कि नाहन से हैं, कुछ वर्ष पहले तलवार को जयपुर लेकर आई थीं।



सिकखों के 10वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर आज उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में गुरु जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कानूनों का प्रदेश में हो रहा प्रभावी क्रियान्वयन : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में लागू तीन नवीन कानूनों में सजा की तुलना में न्याय पर अधिक जोर दिया गया है। नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम हमारे संविधान की मूल धारणा के अनुसार बनाए गए हैं। ये कानून आमजन को शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

■ 'नए आपराधिक कानून शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका'

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन आपराधिक विधि में आपराधिक मामले के महत्वपूर्ण चरणों के लिए समय-

सीमा निर्धारित की गई है जिससे पीड़ित को त्वरित न्याय मिल रहा है। साथ ही पीड़ित को अपने साथ हुए अपराध की रिपोर्ट संबंधित क्षेत्र के थाने में दर्ज कराने की बाध्याता से मुक्ति मिली है। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नवीन आपराधिक कानूनों के राजस्थान में क्रियान्वयन तथा प्रचार-प्रसार के संबंध में गृह विभाग की

उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा राज्य सरकार प्रदेश में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा जनता को भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नए कानूनों को लागू करने में आवश्यक संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए कानूनों का प्रदेश में प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया

जा रहा है और इनके प्रचार-प्रसार में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। आमजन को इनकी जानकारी देने के लिए राज्य सरकार कई कदम उठा रही है। राज्य की 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से नए कानूनों की जानकारी दी गई है। साथ ही, प्रदेश में महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के बारे में पुस्तकें तैयार करवाकर वितरित की गई हैं।

गंगपुर सिटी 'जिले' के दर्जे को खत्म करने के खिलाफ याचिका पेश

जयपुर। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से बनाए जिले गंगपुर सिटी के जिले का दर्जा रद्द करने के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। जिस पर हाईकोर्ट की खंडपीठ आगामी दिनों में सुनवाई करेगी। कांग्रेस के नेता रामकेश मीणा व अन्य की ओर से दायर इस जनहित याचिका में मुख्य सचिव सहित अन्य को पक्षकार बनाया गया है।

जिलों का दर्जा समाप्त कर दिया गया है। गंगपुर सिटी से जिला का दर्जा समाप्त करने के पीछे भी सरकार की राजनीतिक द्वेषता ही है। याचिका में कहा गया कि सरकार ने करीब डेढ़ साल पहले गंगपुर सिटी को जिला बनाया था और उसके बाद यहां कई प्रशासनिक नियुक्तियां हो चुकी हैं। वहीं विभाग भी बतौर जिला स्तर पर काम कर रहे हैं। कमेटी ने लोगों से आपत्तियां मांगने के बाद इसे जिला घोषित किया था। ऐसे में अब महज राजनीतिक द्वेषता के चलते इसे जिला निरस्त करना गलत है। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अगस्त, 2023 में 3 नए संभाग और 19 जिलों का गठन किया था।



जयपुर के राजापाक गुरुद्वारे में गुरु गोबिंद सिंह जयंती पर विशेष रूप से सजाया गया और विशेष पूजा की गई। वहीं सुबह से ही अटूट लंगर बरताया गया।

परंपरागत जलस्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का संचय करें : दिलावर

हुए कहा कि इसके अलावा भी बड़े गड्ढों को तालाब के रूप में परिवर्तित किया जाय ताजिल का ज्यादा से ज्यादा संग्रहण किया जा सके। नदियों के किनारे भूमि कटाव को भी रोका जाय।

■ परंपरागत जल स्रोतों बावड़ी, तालाब, कुंड, खडीन, जोहड़ आदि का पुनः सर्व कर चिन्हित करने के कार्य को अभियान के रूप में लेने के निर्देश

हुए कहा कि इसको समूल नष्ट करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कार्ययोजना अतिशीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बैठक में अधिकारियों को

निर्देशित किया कि इसी वित्त वर्ष में लक्ष्य लेकर प्रदेश के 220 एनीकेट और 50 बावड़ियों का जीर्णोद्धार करवाया जाए। और 31 मार्च तक इस को पूर्ण किया जाए।

अधिकारियों की बैठक में नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अधिकारी आवश्यक रूप से गांवों में रात्रि विश्राम कर ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हो। दिलावर ने कहा कि पूर्व में भी इस बाबत निर्देश जारी कर दिए गए थे किंतु लागता है अभी तक अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है। मंत्री ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि आपके पास सरकारी वाहन है। सुविधाएं हैं, फिर भी आप ग्रामीण क्षेत्रों में फील्ड में प्रवास नहीं करते हैं। तो फिर गाड़ी की क्या आवश्यकता है। क्यों ना आप से गाड़ी वापस ले ली जाए। मंत्री ने कहा कि अगली बैठक में जब हम मिलें तो मुझे फील्ड की पूरी रिपोर्ट चाहिए।

जयपुर फैशन एक्सपो 2025 का पोस्टर विमोचन

जयपुर। जयपुर गारमेंट क्लब की ओर से चन्दन वन सीतापुरा में 10-11 जनवरी को जयपुर फैशन एक्सपो 2025 इंटरनैशनल फैशन के कलर फुल ड्रेस के साथ आयोजित किया जायेगा। मीडिया प्रभारी मोहित टेलर ने बताया इस एक्सपोजिशन में ब्लैक एंड वाइट थीम और पेस्टल कलर चार्ट के साथ गोटा पत्ती और सिक्वेस स्ट्रूप प्रिंट, ब्राइडेट कलर, बगरू प्रिंट, सांगनेरी प्रिण्ट से बने परिधान रेंप शो केश किया है। फैशन के मिश्रण के माध्यम से एथनिक और प्युजुन वियर श्रेणी के तहत डिजाइनर अनारकली, कुर्तियों, प्लाजो सूट सेट, इण्डो वेस्टन लहंगा, कुर्तीस ब्लाउज सेट आदि डिस्प्ले किये जायेगे।

■ जयपुर गारमेंट क्लब की ओर से चन्दन वन सीतापुरा में 10-11 जनवरी को जयपुर फैशन एक्सपो 2025 आयोजित किया जायेगा

शंकर जोशी, सिद्धार्थ जैन, केशव शुक्ला, किशनचंद, आदि मौजूद रहे। इस एजोबिशन में देश-भर के गारमेंट एजेंट्स भी शामिल हैं, जयपुर के अनुभवी गारमेंट मेन्युफेक्चरर अपनी अपनी गारमेंट स्टॉल के माध्यम से अपना अपना कलेक्शन के माध्यम से बायर से अर्डर लिए जायेगे। यहां इस एजोबिशन में नेपाल, यूएसए, लंदन, बंगलौर, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, भोपाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, रायपुर, कोटा, भीलवाड़ा, इन्दौर, आसाम, कलकत्ता आदि जगह से कस्टमर ने

'साहित्य समाज को संवेदनशील बनाता है'

जयपुर। वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने कहा है कि साहित्य समाज को संवेदनशील और सहिष्णु बनाता है एवं सामाजिक बुराइयों के प्रतिकार के लिए प्रेरित करता है। वे "शब्द संसार" के तत्वावधान में प्राकृतिक योग आश्रम में वरिष्ठ लेखिका डॉ. सुभमा शर्मा की साहित्य समीक्षा को पुस्तक "कुछ कहीं, कुछ अनकहीं, अनुसुनी" के लोकार्पण अवसर पर अध्यक्ष के रूप में जेल रहे थे। बहुभाषाविद डॉ. नरेन्द्र

शर्मा कुसुम मुख्य अतिथि थे। आफरीदी ने कहा कि साहित्य में आलोचना का विशेष महत्व है। इससे रचनाकार की कृति का सही मूल्यांकन होता पाठकों में अभिरुचि जगाता है। आलोचक की सही और निष्पक्ष समीक्षा लेखक के सुजन को मान्यता देती है। आज के लेखकों की प्रायोजित समीक्षाएं पाठकों का भरोसा तोड़ती हैं और यह साहित्य के साथ छल है।

शर्मा कुसुम मुख्य अतिथि थे। आफरीदी ने कहा कि साहित्य में आलोचना का विशेष महत्व है। इससे रचनाकार की कृति का सही मूल्यांकन होता पाठकों में अभिरुचि जगाता है। आलोचक की सही और निष्पक्ष समीक्षा लेखक के सुजन को मान्यता देती है। आज के लेखकों की प्रायोजित समीक्षाएं पाठकों का भरोसा तोड़ती हैं और यह साहित्य के साथ छल है।